प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 12 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

मिट्टी ने मटके से पूछा मैं भी मिट्टी तू भी मिट्टी, परन्तु पानी मुझे बहा ले जाने में सक्षम है और तुम इतने हिम्मत वाले कि पानी को ही अपने अंदर समाहित कर लेते हो। पानी तुम्हें गला क्यों नहीं पाता?

मटका जो किसी अनुभवी वृद्ध की भाँति समय और परिस्थितियों से पककर एक आकार ले चुका था हँसकर बोला यह सच है कि तेरी भी मिट्टी की काया मेरा भी मिट्टी का अस्तित्व, पर मेरा संघर्ष तूने नहीं देखा। पहले मुझे पानी में भिगोया फिर पैरों से गूंथा गया फिर कुम्हार ने चाक पर चलाया। आग की तपन और थापी की मार सहकर मुझमें ये बल आया। अगर ये संघर्ष ना सहता तो पानी को अपने भीतर समाने की ताकत कैसे मिलती?

उसी भाँति मंदिर की सीढ़ियों पर जड़े पत्थर और देव की मूर्ति के पत्थर में भी अंतर है। सीढ़ियों के पत्थर को सभी रौंदकर चले जाते हैं और मूर्ति को पूजते हैं। तभी मूर्ति का उत्तर था। मैंने भी संघर्ष सहा है। मैंने शरीर पर अनेकों छैनियों से प्रहार सहे हैं, अनेकों बार घीसा गया हूँ तब जाकर मुझे ये रूप प्राप्त हुआ है। संघर्षों की मिट्टी में तपकर ही जीवन स्वर्ण बनता है।

1. जीवन को स्वर्ण कैसे बनाया जा सकता है? 2

उत्तर : जीवन को स्वर्ण बनाने के लिए आवश्यक है कि जैसी भी परिस्थितियाँ आये हमें हँसकर उनका सामना करना चाहिए। संघर्ष सहने की क्षमता अपने अंदर जगानी होगी तभी हम अपनी अहमियत बढ़ा सकते हैं।

2. मटके के संघर्ष को अपने शब्दों में लिखिए। 2

उत्तर : मटका जब मिट्टी था तब उसको पानी में घंटों भिगोया गया फिर उसको लचीला बनाने के लिए पैरों से रौंदा गया फिर कुम्हार द्वारा चाक पर चढ़ाया गया। कुम्हार की थपकी की मार सहनी पड़ी और फिर आग में तपाया गया। इतना कुछ सहकर सामान्य–सी दिखने वाली मिट्टी को घड़े का रूप मिला।

3. लेखक ने पत्थरों के अन्तर को किन उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया है? 2

उत्तर : लेखक ने पत्थरों के अन्तर को सीढ़ियों पर जड़े पत्थर और देव की मूर्ति में लगे पत्थर के उदाहरण से स्पष्ट किया है।

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। 2

जीवन, अनुभवी

उत्तर : **जीवन–** मरण

अनुभवी– नौसिखिया

5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : संघर्ष ही जीवन है।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम–स्थल,
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नवजीवन संबल
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर।
सच्चा प्रेम वही है जिसकी
तृप्ति आत्म–बलि पर हो निर्भर
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर।
देशप्रेम वह पुण्य क्षेत्र है,
अमल असीम त्याग से विलसित
आत्मा के विकास से जिसमें,
मनुष्यता होती है विकसित।

1. कवि ने मृत्यु के प्रति निर्भय रहने को क्यों कहा है? 2
उत्तर : क्योंकि मृत्यु से डरना व्यर्थ है। जीवन कभी समाप्त नहीं होता इसलिए निर्भय होकर स्वागत करना चाहिए।
2. मृत्यु एक विश्राम–स्थल से कवि का क्या आशय है? 2
उत्तर : मृत्यु एक विश्राम–स्थल से कवि का तात्पर्य है, कि जीव यहाँ कुछ समय के लिए विश्राम करते हैं और पुनः नवीन शरीर धारण करके अपनी नई यात्रा पर चल पड़ते हैं।
3. सच्चे प्रेम की परिभाषा दीजिए। 2
उत्तर : सच्चा प्रेम आत्म–बलिदान की भावना से परिपूर्ण होता है, त्याग के बिना प्रेम निष्प्राण है। सच्चे प्रेम पर हँसते–हँसते प्राण न्यौछावर करने चाहिए।

अथवा

सहानुभूति चाहिए, महाविभूति है यही,
वशीकृता सदैव है बनी हुई स्वयं मही।
विरुद्धवाद बुद्ध का दया–प्रवाह में बहा,
विनीत लोकवर्ग क्या न सामने झुका रहा?
अहा! वही उदार है परोपकार जो करे,
वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे।।
रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।
अनाथ कौन है यहाँ? त्रिलोकनाथ साथ है,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ है।
अतीव भाग्यहीन है, अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे।।
अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े–बड़े।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य–अंक में अपंक हो चढ़ो सभी।।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

1. प्रस्तुत काव्यांश का सार क्या है?
उत्तर : प्रस्तुत काव्यांश का सार यह है कि हमें मानवीय गुणों का ध्यान रखना चाहिए। मनुष्य को अपनी मदांधता, स्वार्थ, अहम् आदि भूलकर सभी की सहायता करनी चाहिए। असल में जो मनुष्य, दूसरे मनुष्य के लिए मर–मिटने का जज्बा रखते हैं वे ही वास्तव में मनुष्य कहलाते हैं।
2. कवि ने ऐसा क्यों कहा कि यहाँ कोई भी अनाथ नहीं है?
उत्तर : कवि ने ऐसा इसलिए कहा है कि कोई भी अनाथ नहीं क्योंकि किसी भी मनुष्य को अपने शक्तिशाली होने का घमण्ड नहीं करना चाहिए। स्वयं को सनाथ मानकर अपने मन में गर्व नहीं करना चाहिए क्योंकि यहाँ कोई भी मनुष्य अनाथ नहीं है। सभी ईश्वर की संतान हैं, ईश्वर सबका नाथ है, ईश्वर के रहते कोई अनाथ नहीं हो सकता। दयालु, दीनबंधु की कृपा सभी पर है।
3. भगवान किसकी सहायता करता है?
उत्तर : भगवान उन व्यक्तियों की सहायता करता है जो अपने साथ–साथ दूसरों को भी ऊँचा उठाते हैं।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2
मार्मिक, सभ्यता, तिरस्कार
उत्तर : मार्मिक– म + आ + र + म + इ + क + अ
सभ्यता– स + अ + भ + य + अ + त + आ
तिरस्कार– त + इ + र + अ + स + क + आ + र + अ

4.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1
चादनी, कुआ, गाव
उत्तर : चादनी– चाँदनी
कुआ– कुआँ
गाव– गाँव
2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1
पक्ति, विडबना, आशका
उत्तर : पक्ति– पंक्ति
विडबना– विडंबना
आशका– आशंका

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1
रफ्तार, जबान, कागज
उत्तर : रफ्तार– रफ़्तार
जबान– ज़बान
कागज– कागज़

6.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1
लिखावट, कर्महीन, कवित्व
उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	लिख	आवट
2.	कर्म	हीन
3.	कवि	त्व

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1
संभावना, उन्नत, हैडमास्टर
उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	सम	भावना
2.	उत्	नत
3.	हैड	मास्टर

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1
दुस्साहसी, संगठित, स्वतंत्रता
उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	दुस्	साहस	ई
2.	सम्	गठ	इत
3.	स्व	तंत्र	ता

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4
देवर्चना, अन्यार्थ, जगदीश, रवीन्द्र, मिथ्यारोप
उत्तर : देवर्चना– देव + अर्चन
अन्यार्थ– अन्य + अर्थ
जगदीश– जगत + ईश
रवीन्द्र– रवि + इन्द्र
मिथ्यारोप– मिथ्या + आरोप

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बनाइए। 3
विराम चिह्न, प्रश्नवाचक, विस्मयादिबोधक, योजक
उत्तर :
1. सभी को अपनी बात रखने का पूरा–पूरा अधिकार है।
2. विश्व की सबसे लंबी नदी कौनसी है?
3. अहा! कितना मनोरम दृश्य है।
4. कर्ण–दुर्योधन (कर्ण और दुर्योधन) घनिष्ठ मित्र थे।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. भगवाना कौन था ? उसकी मृत्यु कैसे हुई ? 2
उत्तर : भगवाना खरबूजे बेचने वाली स्त्री का तेईस बर्ष का जवान लड़का था। वह शहर के पास डेढ़ बीघा भर जमीन में कछियारी करके परिवार का निर्वाह करता था। गीली मेड़ की तरावट में विश्राम करते हुए एक साँप पर लड़के का पैर पड़ गया। साँप ने लड़के को डस लिया, इसी से उसकी मृत्यु हुई।

2. लेखिका के अनुसार बर्फ का फूल (प्लूम) क्या था ? 2
उत्तर : जब तेज हवा से सूखा बर्फ पर्वत पर उड़ता है तो वह लहराता एक ध्वज–सा लगता है। इसी को लेखिका ने बर्फ का फूल (प्लूम) कहा है।

3. महादेवजी की लेखन शैली कैसी थी ? 1
उत्तर : महादेवजी अपनी अभिव्यक्ति में प्रथम श्रेणी की शिष्ट, संस्कार सम्पन्न भाषा का उपयोग करते थे। उनकी मनोहारी लेखन शैली ईश्वर प्रदत्त थी।

9. कीचड़ का काव्य पाठ में लेखक ने किन–किन शब्दों में तुलना की है? उनके बीच अंतर को भी लिखिए। 5

उत्तर : इस पाठ में लेखक ने निम्नलिखित शब्दों में तुलना की है–

1. **"पंक और पंकज"**– पंक का अर्थ होता है पैरों में चिपकने वाली गीली मिट्टी जो कि घृणास्पद लगता है जबकि पंकज शब्द सुनकर कविगण गाने लगते हैं।
2. **"मल और कमल"**– मल मलिन शब्द माना जाता है जबकि कमल शब्द के बस श्रवण मात्र से मन में प्रसन्नता आती है।
3. **"वासुदेव और वसुदेव"**– वासुदेव परम पूज्य हैं जबकि वसुदेव की पूजा कोई नहीं करता।
4. **"कोयला और हीरा"**– हीरा बहुमूल्य रत्न है और बड़े दाम पर खरीदा जाता है जबकि कोयला या पत्थर का मोल नगण्य है।
5. **"मोती और मातुश्री"**– मोती से गले की शोभा बढ़ती है जबकि मातुश्री को कोई गले में नहीं बाँधता।

अथवा

तुम कब जाओगे, अतिथि पाठ में अतिथि सत्कार के प्रथम दिन और पाँचवें दिन की तुलना कीजिए।

उत्तर : अतिथि आगमन के प्रथम दिन उनका स्नेह भीगी मुस्कुराहट के साथ गले मिलकर सादर नमस्ते किया गया था। उनके सम्मान में रात के भोजन में दो सब्जियों और रायते के साथ मीठा बनाया गया था जोकि एक उच्च–मध्यम वर्ग के डिनर–सा प्रतीत हुआ। मन में ये आशा थी कि प्रातः शानदार मेहमान नवाजी की छाप लिए चले जाएँगे पर ऐसा नहीं हुआ। दूसरे दिन भी अतिथि सुलभ मुस्कान लिए वो यहीं बने रहे।

दोपहर में लंच की गरिमा प्रदान की गई। रात्रि में सिनेमा दिखाने का कार्यक्रम भी हुआ।

तीसरे दिन लॉन्ड्री धुलने की इच्छा भी पूरी हुई पर जाने का कोई इरादा ना देखकर अतिथि को देखकर आने वाली मुस्कुराहट अब फीकी पड़ने लगी थी। उनके साथ बैठकर चर्चा के सभी विषय भी पूरे हो चुके थे। अब बस यही प्रश्न उठता था कि अतिथि तुम कब जाओगे। धीरे–धीरे लेखक और उनकी पत्नी के सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी। डिनर से खिचड़ी और खिचड़ी से उपवास के बारे में विचार किया जाने लगा था। पाँचवाँ दिन उनकी सहनशीलता का अंतिम पड़ाव था।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताइए। 2

चकोर, सुहागा, छोति, तिलोचनु (त्रिलोचन)

उत्तर :

चकोर– तीतर की जाति का पक्षी जो चन्द्रमा से अत्यंत प्रेम करता है

सुहागा– सोने को शुद्ध करने के लिए प्रयोग में आने वाला क्षार द्रव्य

छोति– छुआछूत

तिलोचनु (त्रिलोचन)– प्रसिद्ध वैष्णव आचार्य, ज्ञानदेव और नामदेव के गुरु भी थे।

2. "खुशबू रचते हैं हाथ" कविता के कवि कौन हैं और इस कविता को लिखने के पीछे उनका क्या उद्देश्य है? 2

उत्तर : इस कविता के कवि अरुण कमल जी हैं। इस कविता को लिखने का उद्देश्य समाज में उपेक्षित वर्ग की स्थिति से अवगत करवाना है। वे कहते हैं कि जो वर्ग समाज में सौंदर्य का सृजन कर रहा है वहीं अभाव में अपना पूरा जीवन बसर कर रहा है।

3. हरिवंशराय बच्चन जी की प्रमुख कृतियाँ लिखिए। 1

उत्तर :

हरिवंशराय बच्चन जी की प्रमुख कृतियाँ निम्नलिखित हैं–

कविता संग्रह– मधुशाला, निशा–निमंत्रण, एकांत संगीत, मिलन यामिनी, आरती और अंगारे इत्यादि।

आत्मकथा के चार खंड– क्या भूलूँ क्या याद करूँ, नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर, दशद्वार से सोपान तक।

11. "एक फूल की चाह" कविता में किस सामाजिक कुरीति का वर्णन है। 5

उत्तर : समाज में व्याप्त छुआछूत जैसी सामाजिक बुराई को कविता में दर्शाया गया है। उच्च जाति का कुलीन लोगों को अछूत जान उन्हें निकृष्ट दृष्टि से देखना सुखिया के पिता के साथ होने वाले अमानवीय कृत्यों के माध्यम से दिखाया गया है।

किसी जाति विशेष को नीच समझ छूत–अछूत में विभाजित करना, उनका शोषण करना, मारपीट करना, मंदिर में प्रवेश ना करने देना, निंदनीय भाषा का प्रयोग करना ये सम्पूर्ण मानवता का अपमान करने जैसा है।

सभी प्राणियों को ईश्वर की रचना मानकर एक समान समझना चाहिए। मनुष्य का वास्तविक धर्म उसके अंदर व्याप्त मानवता ही है।

अथवा

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुष, चून।।

पंक्तियों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस दोहे के माध्यम से रहीमजी समझाना चाहते हैं कि पानी बहुत महत्वपूर्ण है। पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वे कहते हैं कि पानी के बिना मोती, मनुष्य और आटा (चून) सब व्यर्थ है। सीप में पानी की बूँद का मोती बनना, इज्जत और सम्मान से ही मनुष्य का जीवन सम्पन्न होना तथा आटे को मनचाहे तरीके से उपयोग में लाने के लिए पानी का उसमें मिलाना, सभी में पानी की महत्ता है। अलग–अलग संदर्भों से कवि पानी का बखान इन पंक्तियों के माध्यम से कर रहे हैं।

12. लेखक हामिद खाँ के लिए क्या प्रार्थना कर रहा था और क्यूँ? 3

उत्तर : लेखक प्रार्थना कर रहा था कि तक्षशिला के सांप्रदायिक दंगों की चिंगारियों की धधकती आग से हामिद और उसकी वह दुकान जिसने मुझ भूखे को भोजन और सहारा देकर तृप्त किया था बची रहे। हामिद खाँ की ईमानदारी और मुहब्बत की याद को लेखक आज भी अपने दिल में संजोए बैठे हैं।

अथवा

स्मृति पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है तथा लेखक की किन विशेषताओं का पता चलता है ?

उत्तर : जब बड़े भाई द्वारा दी हुई चिट्ठियाँ कुएँ में गिर गईं तब लेखक को अहसास हुआ कि अनजाने में वह कितनी बड़ी मुसीबत में फँस गया है। उसे पिटाई का डर था तथा जिम्मेदारी का अहसास कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने पर विवश कर रहा था। वह साँप से भयभीत होने के बजाए कुएँ में जाने का मानस बनाता है। बुद्धि कौशल से धोतियों को बाँधकर वह कुएँ में उतरा और डंडे की सहायता से साँप को झाँसा दे कुशलपूर्वक बाहर निकल आया। अपनी बुद्धिमानी, चातुर्य एवं साहस का उत्तम परिचय देकर बड़ी मुसीबत से भी निकल

आया। साहस का जीवन में अत्यंत महत्व है क्योंकि बिना साहस के व्यक्ति असहाय जान पड़ता है जोकि सफलता प्राप्ति के रास्ते में अवरोधक है। साहस व्यक्ति को नई चुनौतियों व विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का संबल प्रदान करता है।

13. लेखिका की अस्वस्थता में गिल्लू किसकी भूमिका निभाता था ? 2

उत्तर : लेखिका की अस्वस्थता में गिल्लू परिचारिका अर्थात् सेविका की भूमिका निभाता था। तकिए के सि. रहाने बैठकर अपने नन्हें पंजों से लेखिका के बालों को हौले–हौले से सहलाता था। उसके हटने से लेखिका को ऐसा लगता मानो कोई सेविका दूर चली गई हो।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **प्रगतिशील भारत।**
   • प्रगति की दिशाएँ • बाधाएँ • महानगरों का निर्माण • विश्व में स्थान
2. **स्वच्छ भारत अभियान।**
   • स्वच्छता की आवश्यकता • स्वच्छता के प्रति जागरूकता • योगदान • नियम व कानून
3. **नदी जोड़ो अभियान।**
   • संदर्भ • आवश्यकता • लाभ/हानि

उत्तर :

1. प्रगतिशील भारत

2019 ई. का हमारा भारत देश 1950 ई. के भारत से सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से अधिक विकसित व उन्नत है। विजन 2020 का स्वप्न लिए देश की प्रगति प्रशंसनीय है। सूचना क्रांति, संचार क्रांति, हरित क्रांति, औद्योगिकीकरण, चिकित्सीय सुविधाएँ, विज्ञान का क्षेत्र, शैक्षिक सुविधाओं का विस्तार आदि ऐसी कई दिशाएँ हैं जिसमें हमारा देश बहुआयामी विकास कर रहा है। जहाँ बीते वर्षों में कई महत्वपूर्ण सफलताएँ हासिल हुई वहाँ भारत के समक्ष कुछ चुनौतियाँ भी सामने आयीं जैसे कि मशीनीकरण के कारण बेरोजगारी, कम्प्यूटर पर बढ़ती निर्भरता, प्रदूषण की समस्या आदि, जो देश को विकसित बनने में आड़े आ रही हैं। पिछले दस वर्षों में महानगरों की बढ़ती रौनक, गाँवों का विकास, स्मार्ट सिटीज़ का बनना, कस्बों व बाजारों का विस्तार देश की प्रगति का सबूत है। अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व में प्रतिष्ठा, सैनिक दृष्टि से विश्व की बढ़ी ताकतों में से एकादि उपलब्धियों के साथ भारत विश्व का सातवाँ बड़ा व दसवाँ सबसे अमीर देश बन गया है।

2. स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छता न केवल हमारे घरों तक सीमित रहनी चाहिए, यह हमारे आस–पास के वातावरण के लिए भी उतनी ही आवश्यक है। सड़क, पार्क, विद्यालय, सरकारी दफ्तर या सार्वजनिक स्थलों के प्रति भी सजग होना एक अच्छे नागरिक की जिम्मेदारी है। स्वच्छता का सीधा संबंध स्वास्थ्य से होता है। हमें स्वच्छता को अपनाकर एक स्वस्थ देश और समाज का निर्माण करना चाहिए। "स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" का लक्ष्य लेकर 2 अक्टूबर, 2014 को देश के प्रधानमंत्रीजी ने गाँधीजी को श्रद्धांजलि स्वरूप इस अभियान की शुरुआत की। समाज के विभिन्न वर्गों ने इस अभियान को समर्थन तथा भारत को साफ–सुथरा भारत बनाने की ओर अपना योगदान दिया। स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य मात्र आस–पास की सफाई करना ही नहीं अपितु नागरिकों की सहभागिता से अधिक–से–अधिक पेड़ लगाना, कचरामुक्त वातावरण बनाना, शौचालयों की सुविधा उपलब्ध करवाना है। सभी देशवासियों से प्रतिवर्ष 100 घंटे के श्रमदान की अपील भी की गई। निम्न नियमों के उल्लंघन से कठोर जुर्माना लगाने का प्रावधान बनाया गया। इस मुहिम से न केवल स्वच्छता संबंधी आदतें बनेंगी साथ–साथ हमारे देश की छवि भी सुधरेगी, जिससे देश में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

3. नदी जोड़ो अभियान

नदियाँ हमें अमृत तुल्य जल प्रदान करती हैं। परन्तु वर्तमान समय में इन नदियों से प्राप्त होने वाला जल हमारी जनसंख्या की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्याप्त नहीं है। जल प्रदूषण से पेयजल संकट व बाढ़ से तबाही जैसे संकट दिनोंदिन गहरा रहे हैं। सन् 2008 ई. में 'अमृत क्रांति' नाम से प्रारंभ की गई, परियोजना के अन्तर्गत भारत की नदियों को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया। प्रथम श्रेणी में गंगा, यमुना नदियाँ एवं द्वितीय श्रेणी में दक्षिण भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में प्रवाहमान नदियाँ हैं। इन दोनों श्रेणियों की नदियों को जोड़कर सूखे व बाढ़ जैसी समस्याओं का निराकरण ही इसका उद्देश्य है। इस योजना से जुड़े वैज्ञानिकों का मानना है कि इसमें सूखे व बाढ़ जैसी आपदा का स्थाई समाधान, 10 प्रतिशत कृषियोग्य भूमि को सिंचाई की सुविधाएँ प्राप्त तो होंगी ही साथ–साथ खाद्यान्न उत्पादन, विद्युत उत्पादन एवं रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि प्रेषित है। स्वच्छ नदियों का जल प्रदूषित होना, भूमि की प्रकृति बदलना, वनस्पतियों व जीवों की प्रजातियों का विलुप्त होना तथा विभिन्न प्रांतों में जल विवाद जैसे नुकसान भी संभावित हैं।

15. विद्यालय में अन्य छात्रों के साथ झगड़ा करते हुए पाए जाने पर आपके छोटे भाई को समझाने हेतु पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

32, करोलबाग
दिल्ली।
23 सितम्बर, 2019
प्रिय अमन
शुभाशीष,

कल तुम्हारे विद्यालय के प्राचार्यजी का पत्र प्राप्त हुआ। तुम विद्यालय में झगड़ा करते हुए पाए गए। यह जानकर सिर शर्म से झुक गया। पिताजी–माताजी पर क्या बीत रही है वे सोच रहे हैं क्या यही संस्कार दिए हैं तुम्हें उन्होंने? उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि तुम पढ़ाई छोड़कर लड़ाई–झगड़े करते पकड़े जाओगे।

मैं यह जानता हूँ कि ये सब तुमने जान–बूझकर नहीं किया होगा। जरूर कोई वजह रही होगी। तुम्हें अपने गुस्से पर काबू पाना आना चाहिए। अगर कोई वजह थी तो अपने शिक्षकगणों को बतानी चाहिए थी। खुद लड़ाई करके किसी भी समस्या का समाधान नहीं निकाला जा सकता। पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करो व इस तरह के छात्रों से दूर रहो। अपने प्राचार्यजी से क्षमा माँगकर उन्हें विश्वास दिलाओ कि तुम भविष्य में ऐसा कुछ नहीं करोगे।

आशा है मेरी बात पर अमल करोगे।
तुम्हारा भाई,
जीवन

अथवा

अपनी माता को जन्मदिन पर शुभकामनाएँ भरा पत्र लिखिए।

उत्तर :

80, मदनगंज
किशनगढ़।
10 जनवरी, 2019
परम आदरणीय माँ,
चरण स्पर्श,

मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ और आपकी कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ। आपका जन्मदिन आ रहा है। इस वर्ष इस शुभ अवसर पर मैं आपके पास नहीं हूँ जिसका मुझे बहुत दुःख है। पर माँ अपनी पुत्री की शुभकामनाएँ स्वीकार कीजिए। आपके लिए एक छोटा–सा तोहफा भी भेजा है आशा करती हूँ आपको पसंद आएगा। ईश्वर आपको स्वस्थ, सुखमय और दीर्घायु जीवन प्रदान करे और आप यूँ ही हम सब पर अपनी ममता बरसाती रहें। आप कभी सखी तो कभी बहिन और माँ रूप में सदैव मेरा मार्गदर्शन करती रही हो। मैं आप जैसी माँ पाकर कृतज्ञ हूँ। ईश्वर आप जैसी माँ सभी को दे। आपको आपके जन्मदिन की ढेरों बधाईयाँ। जल्दी मिलने की कामना करती हुई,
आपकी स्नेहाअभिलाषी,
दिव्या

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : यह चित्र खेती में व्यस्त किसान का है। किसान देश का अन्नदाता होता है। कृषि कर्म ही उसके जीवन का आधार होता है। हमारे देश की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में निवास करती है, स्वयं अन्न उपजाने के बाद भी उसे तथा उसके परिवार को भरपेट भोजन नहीं मिलता। यह उसके जीवन की विडम्बना है। किसान का जीवन अनेक अभावों से भरा होता है चाहे चिलचिलाती धूप हो, कड़ाके की ठंड या घमासान वर्षा वह अपना कार्य कर्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी के साथ करता है। आधुनिक कृषि यंत्र, उच्च स्तर के बीज, जैविक उर्वरक उपयोग में लाने से खेती की पैदावार को बढ़ाया जा सकता है।

अथवा

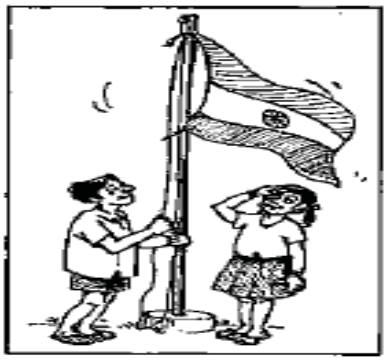

उत्तर : यह चित्र किसी राजनीतिक कार्यक्रम के झंडारोहण का है। हमारा झंडा हमारे देश के गौरव का प्रतीक है। इसे राष्ट्रीय पर्वों जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि पर संसद भवन, शैक्षणिक संस्थानों व सरकारी विभागों इत्यादि में गर्व के साथ फहराया जाता है। यह हमारी आजादी का प्रतीक है। हमें सदैव इसका सम्मान करना चाहिए। हमें ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे हमारे

देश का नाम विश्व में और ऊँचा हो तथा तिरंगे का मान बढ़े।

17. घर में चोरी होने पर शिकायत दर्ज कराने गई महिला व इंस्पेक्टर के बीच संवाद को अपने शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

महिला– सर, सर हमारे घर में चोरी हो गई है। (हाँफते हुए)

इंस्पेक्टर– बैठिए। आप परेशान मत हो। बताइए कब हुई चोरी।

महिला– जी, कल रात। जब हम अपने रिश्तेदार के यहाँ समारोह में शामिल होने गए थे। लौटे तो चोरी हो चुकी थी।

इंस्पेक्टर– कितने बजे लौटे आप? घर खुला मिला आपको?

महिला– करीब 2 बजे। जी नहीं, घर का मुख्य द्वार बंद था पर अंदर सबकुछ बिखरा हुआ था।

इंस्पेक्टर– क्या कोई खिड़की खुली थी?

महिला– जी इंस्पेक्टर साहब, रसोई की तथा लॉकर से सब नकदी जेवर गायब थे।

इंस्पेक्टर– क्या आप बता सकती हैं कुल मिलाकर कितना कैश और कितने जेवर थे।

महिला– जी, करीब 60,000 कैश व करीब 3 लाख के जेवर।

इंस्पेक्टर– किसी पर शक कोई नौकर, ड्राइवर, माली इत्यादि।

महिला– कुछ कह नहीं सकते साहब।

इंस्पेक्टर– ठीक है। आप एफ. आई. आर. (शिकायत) लिखवा दीजिए।

महिला– जी, इंस्पेक्टर साहब।

इंस्पेक्टर– हम कार्यवाही शुरू करते हैं। आश्वस्त रहिए चोर पकड़ा जाएगा।

महिला– धन्यवाद, इंस्पेक्टर साहब।

अथवा

जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने पर पिता और पुत्र के बीच होने वाले संवाद को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

पिता– बेटा आज मैं तुमसे कुछ जरूरी विषय पर बात करना चाहता हूँ।

पुत्र– जी कहिए, पिताजी।

पिता– देखो बेटा, आज की पीढ़ी बहुत तेज है और सभी के साथ कदम–से–कदम मिलाकर चलने में ही भलाई है।

पुत्र– मैं समझा नहीं, पिताजी।

पिता– तुम अब बड़ी कक्षा में आ गए हो और अध्ययन भी अच्छे से करते हो।

पुत्र– जी।

पिता– पर क्या तुमने अपने लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है? बिना लक्ष्य से उसे पाना नामुमकिन है।

पुत्र– अभी तक तो नहीं, पिताजी।

पिता– कौनसा विषय है बेटा जिसमें तुम्हें बहुत रुचि है?

पुत्र– विज्ञान।

पिता– ठीक है, क्या तुमने कभी सोचा कि तुम भविष्य में क्या बनना चाहते हो।

पुत्र– मैं भविष्य में वैज्ञानिक बनना चाहता हूँ। इस सम्पूर्ण ब्रह्मांड के बारे में जानने के लिए इच्छुक हूँ।

पिता– शाबाश! बेटा अब लगन और परिश्रम से अपनी पढ़ाई में जुट जाओ। देखना तुम्हें तुम्हारा लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा।

पुत्र– जी धन्यवाद, पिताजी।

18. किसी फेस क्रीम बनाने वाली कंपनी के लिए आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

ग्लो फेस क्रीम

प्योर हर्बल

बिना किसी साइड इफेक्ट के

हल्दी, चंदन व केसर युक्त

अत्यंत गुणकारी

गोरा तन पाना हुआ आसान

मात्र 45 रुपए में आपकी त्वचा की सम्पूर्ण देखभाल

रोजाना दो बार इस्तेमाल करें और परिणाम देखें

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें– 9415555484

अथवा

शहर में लगे शिल्प ग्राम उद्योग मेले का विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

शिल्प ग्राम उद्योग मेला

11 जनवरी को भव्य शुभारंभ

जानी–मानी अभिनेत्री जूही चावला द्वारा

मात्र 7 दिनों के लिए

भारतीय परिधानों व गृह सज्जा का बेहतरीन संग्रह

फूड स्टॉल और गेम्स का भी आनंद लें

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें– 9425151515

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online